

गिराशाजा

राजकुल

राजस्थान कोर्ट केम्प

स्थान गोमना

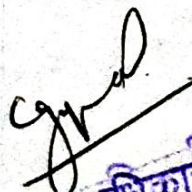
14/5/16

पत्रावली पेश। पार्थी एवं अपार्थी  
क्रम 1 व 2 उपस्थित हैं।

उपस्थित परकाएन का पुना  
गया। अपार्थी नम्बर 1 व 2 का  
कथन है, कि उनके द्वारा कोई  
अमीन बैचान नहीं की गई है।  
हमारे पूर्वजों द्वारा बैचान की  
है तो उन्हें, जानकारी नहीं है।

अपार्थी नम्बर 1 व 2 द्वारा लोक  
अदालत में कथन कि कि  
वादगत अमीन बनसी है, उन्हें,

राजस्थान लोक अदालत अभियान  
न्याय आपके द्वार-2016

  
उपखण्ड अधिकारी  
राजसंजयजी

पता नहीं है। हमारे द्वारा वादगत इमि  
हॉकी नहीं जा रही है। प्रार्थी ही नाबिज है।

पक्षकारान की सुना आकर  
एकाला का अवलोकन किया।  
हम रजिस्टर्ड वसनामा, नामान्तरण  
की दायताएँ, साबिक व हाल  
दायताएँ मकल अभावदी, फर्द  
मिलान आदि पर सम्मक चिंत्न  
किया गया। एकाला में वादगत  
इमि का कृत्य किया जाना एकल  
है। इस प्रकार प्रथम दुष्टया एकाला  
प्रार्थी का प्रतीत होगा है।

हम कमत अग्रार्थीगण 1 व 2  
वादगत इमि अग्रार्थीगण द्वारा हॉकी  
नहीं जा रही है। इस प्रकार एकाला  
वर्तित इमि पर प्रार्थी का ही  
गबजा होना एकल हो रहा है। इस  
प्रकार सुविधा का संकलन प्रार्थी  
के पक्ष में पाया जाता है।

ग्राम  
अधिकारी

अदि प्रकार वर्गीकृत भूमि का बँचाव  
20.6.82 की धारणा की किया जाना प्रकार  
हो रहा है तथा भूमि रिकार्ड में  
अध्यायी 1 व 8 के नाम पर दर्ज है।  
यदि अध्यायीगण द्वारा भूमि का बँचाव  
कर दिया जाता है, तो इससे धारणा  
की ही शर्त होना तम है।

प्रकार के गुणावगुण पर सम्यक  
मनन करने के उपरान्त हम यह पाते  
हैं, कि प्रां पत्र धारणा स्वीकार किया  
जाना उचित है।

अतः धारणा पत्र धारणा स्वीकार  
किया जाकर आदेशा रिज आर है, कि  
अध्यायीगण 1 व 8 ग्राम गोमन्दा की  
भूमि खं नं० 697 व 698 कुल

मिला 2 रकबा 0.33 हेक्टर का रहन  
पूँ बँचान नहीं करे। भूक एवं रिकार्ड  
की यथा स्थिति लाफसला श्रुलवाद  
बनाये सर्वे पत्रावली फलशुभा  
की जाकर श्रुलवाद मि.नं. 59/14  
के साथ संलग्न रहे।

निर्णय आज दि० 14.5.16 को  
राजस्व लोक अदालत केमप गोमन्दा  
पर सुनाया गया।

(चिन्मयी गोपाल)  
J.A.S. प्रिंसिपल  
उपवोड अधिकारी  
रामगजमण्डी